मुख्यमंत्री ने मंत्रिपरिषद की बैठक में आपदा राहत तैयारियों की समीक्षा की

मुख्यमंत्री भजनलाल ने आमजन से सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरों से बचने की अपील की

जयपुर, 9 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए, शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्रिपरिषद् की बैठक लेकर प्रशासनिक और आपदा राहत तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने प्रभारी मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रभारी सचिवों को अपने क्षेत्रों में निरन्तर सम्पर्क बनाए रखने और आवश्यकता के अनुरूप जरूरी संसाधनों की उपलब्धता एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि राजस्थान की लम्बी अन्तरराष्ट्रीय सीमा को देखते हुए प्रदेशवासियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। इसे देखते हुए आमजन सोशल मीडिया पर चलने वाली भ्रामक और अफवाह फैलाने वाली खबरों का प्रसार करने से बचें और सरकार द्वारा जारी अधिकृत सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद प्रेस वार्ता में बताया कि मंत्रिपरिषद् की बैठक में आपात स्थिति के समय उठाए जाने वाले सभी आवश्यक कदमों और उनकी तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने सीमावर्ती जिलों में रिक्त पदों को तुरंत भरने का काम शुरू कर दिया है। बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर एवं श्रीगंगानगर जिलों में 5-5 करोड़ तथा जोधपुर, हनुमानगढ़ एवं फलौदी जिलों में 2.5-2.5 करोड़ रुपये मुख्यमंत्री सहायता कोष के नियमों में शिथिलता प्रदान कर स्वीकृत किए गए हैं। आरएसी, एसडीआरएफ, बॉर्डर होमगार्ड इत्यादि की अतिरिक्त नफरी सीमावर्ती क्षेत्रों में भेजी जा रही है। जोगाराम पटेल ने कहा कि बैठक में मुख्यमंत्री ने खाद्यान्न, दवाइयों सहित, अन्य जरूरी वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की गई है कि वे प्रशासनिक निर्देशों और केन्द्र एवं राज्य सरकार की एडवाइजरी की पालना के लिए आमजन को प्रेरित करें तथा छोटी से छोटी घटनाओं पर नजर रखते हुए अफवाहों को फैलने से रोकें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य मंत्रिपरिषद् की बैठक लेकर प्रशासनिक और आपदा राहत तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने प्रभारी मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रभारी सचिवों को अपने क्षेत्रों में निरन्तर सम्पर्क बनाए रखने और जरूरी संसाधनों की उपलब्धता एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

- **मंत्रिपरिषद की बैठक में तय किया गया कि आरएसी, एसडीआरफ, बॉर्डर होमगार्ड इत्यादि की अतिरिक्त नफरी सीमावर्ती क्षेत्रों में भेजी जाये तथा पुलिस व प्रशासन 24 घंटे मुस्तैद रहे।**

देश के 20 एयरपोर्ट 15 मई तक बंद रहेंगे

नई दिल्ली, 09 मई। भारत-पाकिस्तान तनाव के बाद, 7 राज्यों के 28 एयरपोर्ट्स को 15 मई तक बंद किया गया है। पहले ये 10 मई तक के लिए बंद किए गए थे। ये एयरपोर्ट्स जिन राज्यों में हैं, उनमें- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश शामिल हैं। वहीं, ईंधन की कमी से फर्जी अफवाहों के बीच तेल कंपनियों ने देशवासियों को भरोसा दिलाया कि भारत में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस का पर्याप्त स्टॉक है। घबराकर, खरीदारी करने की कोई जरूरत नहीं है। सरकारी कंपनियों-इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने अलग-अलग बयानों में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध होने का भरोसा दिलाया है। वहीं, पिछले दो दिन में दिल्ली एयरपोर्ट से 138 घरेलू और इंटरनेशनल फ्लाइट्स कैंसिल की गई हैं। इस बीच, मुंबई एयर ट्रैफिक कंट्रोल पर दबाव बढ़ गया है। पाकिस्तान का एयरस्पेस बंद होने के चलते मुंबई, यूरोप, उत्तर और दक्षिण अमेरिका की फ्लाइट्स हैंडिल कर रहा है।

- **ये हवाई अड्डे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात व मध्यप्रदेश में हैं।**

सीमा से लगे 19 जिलों में स्कूल बंद

नई दिल्ली, 09 मई। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद, भारत की आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई से बौखलाए पाकिस्तान ने 8 मई को सीमा से सटे जिलों में रिहायशी इलाकों को टारगेट कर हमला किया था। भारतीय डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के हमले को नाकाम कर दिया। हालांकि बॉर्डर से सटे राज्यों और जिलों में तनाव की स्थिति बन गई है। ऐसे में इन राज्यों के कई जिलों में स्कूल बंद की गई हैं। इससे संबंधित नोटिफिकेशन भी जारी किया गया है।

7-8 मई की रात पाकिस्तान ने सीमा से सटे 6 राज्यों में मिसाइल हमले का प्रयास किया था। इन राज्यों के 19 जिलों में स्कूलों को बंद रखने और ऑनलाइन क्लासेस शुरू करने के आदेश जारी किए गए हैं। राजस्थान के जोधपुर, बाड़मेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर और जैसलमेर जिलों में अगले आदेश के जारी होने तक स्कूल बंद रखे जाएंगे। यहां पर रात 9 से सुबह 4 तक ब्लैकआउट, फाइट्स बंद। जम्मू-कश्मीरके जम्मू, उधमपुर, पुंछ, उरी और बारामूला जिलों में 9 और 10 मई को स्कूल बंद रहेंगे। यूनिवर्सिटी को भी बंद किया गया।

लद्दाख में भी 9 से 10 मई तक स्कूल बंद रहेंगे। नागरिकों से अलर्ट रहने और इमरजेंसी में 112 पर कॉल करने को कहा गया है। हरियाणा के पंचकूला में स्कूलों को बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। यहां भी 9 मई से 10 मई तक स्कूल बंद रहेंगे। यहां पर स्वास्थ्य विभाग और पुलिस कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। चंडीगढ़ में भी बाकी क्षेत्र की तरह 9 मई से 10 मई तक स्कूल बंद रहेंगे। पंजाब यूनिवर्सिटी की होने वाली परीक्षाएं भी रद्द कर दी गई हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच सीमा पर चले रहे तनाव की वजह से दिल्ली को हाई अलर्ट पर रखा गया है। जी हां, यहां पर भी कई प्राइवेट स्कूलों ने शुक्रवार को क्लासेस नहीं लगाईं, बल्कि इनकी जगह पर ऑनलाइन मोड क्लासेस संचालित की गईं।

वहीं, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, यानी आईसीएआई ने मई में होने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट फाइनल, इंटरमीडिएट और पोस्ट क्वालिफिकेशन कोर्स एग्जाम को पोस्टपोन किया है।

- **पाकिस्तान के लगातार हमलों के कारण इन स्कूलों ने ऑनलाइन क्लास शुरु की है।**

राजनाथ सिंह की शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ बैठक

नयी दिल्ली, 09 मई। भारतीय सशस्त्र सेनाओं के ऑपरेशन सिंदूर से हताश और बौखलाए पाकिस्तान के गुरूवार रात पश्चिमी सीमा से लगते क्षेत्रों में मिसाइल और ड्रोन से विफल हमलों के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार सुबह यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में पश्चिमी सीमा पर सुरक्षा की स्थिति और तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि बैठक में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और रक्षा सचिव राजेश कुमार ने हिस्सा लिया। सूत्रों के अनुसार शीर्ष सैन्य नेतृत्व ने रक्षा मंत्री को पाकिस्तानी सेना की पश्चिमी सीमा से लगते क्षेत्रों में हमले की कोशिश और भारतीय सशस्त्र सेनाओं द्वारा इसे विफल किये जाने की जानकारी दी।

क्या अपंजीकृत दस्तावेजों के आधार पर एफआईआर दर्ज हो सकती है

जयपुर, 9 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि क्या अपंजीकृत और बिना उचित स्टांप वाले दस्तावेजों के आधार पर एफआईआर दर्ज की जा सकती है। इसके अलावा, अदालत ने आयकर और ईडी से यह बताने को कहा है कि स्टांप एक्ट सहित अन्य संबंधित अधिनियमों के प्रावधानों की अवहेलना करने पर क्या कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में चल रहे अनुसंधान को जारी रखने को कहा है, लेकिन अदालत ने याचिकाकर्ता के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक लगा दी है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश शंकर खंडेलवाल की आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, अदालत ने कहा कि मामले में कोई भी आदेश देने से पूर्व यह देखना जरूरी है कि क्या अस्वीकार्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस एफआईआर दर्ज कर सकती है या नहीं? अदालत ने कहा कि प्रकरण में बताया गया कि लेनदेन, स्टांप अधिनियम और आयकर अधिनियम के प्रावधानों के बाहर किए गए थे, जो धन शोधन निवारण अधिनियम की अनुसूची ए के तहत अपराध की श्रेणी में आते हैं। अदालत ने कहा कि प्रकरण में स्टांप अधिनियम की धारा 35 की अवहेलना की गई है और दस्तावेज भी अपंजीकृत व विधिवत स्टांप नहीं किए गए हैं। ऐसे में राज्य सरकार और आयकर विभाग सहित, ईडी अपना जवाब पेश करे।

- **हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब मांगा।**

'सिंधु जल संधि में हमारी केवल मददगार की भूमिका है'

विश्व बैंक के अध्यक्ष ने भारत को फैसला पलटने के लिए मजबूर करने वाली रिपोर्टों का खंडन किया

नयी दिल्ली, 09 मई। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने उन रिपोर्टों का खंडन किया, जिनमें कहा गया था कि विश्व बैंक सिंधु जल संधि को स्थगित रखने के भारत के फैसले में हस्तक्षेप कर सकता है और इस फैसले को पलटने के लिए उसे मजबूर कर सकता है।

केन्द्र सरकार के सूचना तंत्र प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) ने 'एक्स' पर बंगा के हवाले से एक पोस्ट में कहा है, एक मददगार के अलावा हमारी और कोई भूमिका नहीं है। मीडिया में इस बारे में बहुत अटकलें लगाई जा रही हैं कि विश्व बैंक कैसे हस्तक्षेप करेगा और समस्या को कैसे ठीक करेगा, लेकिन ऐसी बातें व्यर्थ हैं। विश्व बैंक की भूमिका केवल मददगार की है।

उल्लेखनीय है कि भारत ने सिंधु जल बंटवारे पर भारत और पाकिस्तान के बीच 1960 की संधि को 22 अप्रैल 2025 के पहलगाव आतंकवादी हमले के अगले दिन 23 अप्रैल को स्थगित कर दिया था। कथित रूप से, पाकिस्तान के इशारे पर काम करने वाले चार आतंकवादियों ने 26 निर्दोष लोगों की नृशंस हत्या कर दी थी। इनमें एक व्यक्ति नेपाल का नागिक था।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने गुरुवार को कहा था कि सिंधु जल संधि जिन परिस्थितियों में संपन्न हुई थी, उनमें मौलिक परिवर्तन हुए हैं... इसकी समीक्षा के लिये पिछले ढ ाई वर्षों से भारत, पाकिस्तान सरकार को लिखता रहा है।

मिसरी ने संवाददाताओं से कहा, हमने संधि में संशोधन पर चर्चा के लिये वार्ता का अनुरोध करते हुये उन्हें कई नोटिस भेजे हैं। भारत छह दशकों से भी अधिक समय से इस संधि का सम्मान करता आ रहा है, यहां तक कि उस समय भी, जब पाकिस्तान ने हम पर कई युद्ध थोपे थे। पाकिस्तान संधि का उल्लंघन करता रहा है तथा जानबूझकर भारत के पश्चिमी नदियों पर अपने वैध अधिकारों का प्रयोग करने में कानूनी बाधायें खड़ी करता रहा है।

उन्होंने यह भी कहा, यह भारत का धैर्य ही है कि हम पिछले 65 वर्षों से, इतने उकसावे के बाद भी, संधि का पालन करते आ रहे हैं। अब स्थितियां बदल गयी हैं। यह संधि 50 और 60 के दशक की इंजीनियरिंग तकनीकों पर आधारित थी। तकनीकी बदलावों और उन्नति को ध्यान में रखना होगा।

- **भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा, भारत धैर्य से 65 साल से उकसाने के बावजूद संधि का पालन कर रहा है। अब स्थितियाँ बदल गई हैं। तकनीकी बदलाव व उन्नति का ध्यान रखना होगा।**

आपातकालीन स्वास्थ्य सेवायें हरदम तैयार रहें

नयी दिल्ली, 09 मई। पाकिस्तान के साथ बढ़ ते सैन्य तनाव के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने देश में सभी चिकित्सा आपातकालीन और स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों को हर समय तैयार रहने का निर्देश दिये हैं। नड्डा ने शुक्रवार को यहां आपातकालीन एवं स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों की तैयारियों की एक समीक्षा बैठक में कहा कि पूरे देश में स्वास्थ्य सेवाओं और प्रणालियों का संचालन और कार्यशील होना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी राज्य सरकारों, विशेषकर सीमावर्ती राज्यों के साथ जमीनी स्तर पर संपर्क प्रभावी ढ ंग से स्थापित किए जाएँ, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि मंत्रालय में 24 घंटे सातों दिन एक नियंत्रण और कमान केंद्र को निगरानी करनी चाहिए तथा राज्यों को सहायता प्रदान करनी चाहिए। मंत्रालय ने अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों को आवश्यक दवाओं, रक्त, ऑक्सीजन, ट्रॉमा केयर किट आदि की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने की सलाह दी है। केंद्रीय सरकारी अस्पतालों ने डॉक्टरों और नर्सों को जुटाया है।

पाकिस्तान आम नागरिकों को निशाना बनाकर फायरिंग कर रहा है

सैन्य अधिकारियों ने कहा कि इसमें पाकिस्तान की बौखलाहट साफ नज़र आ रही है

नई दिल्ली, 09 मई। भारत की जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान की बौखलाहट साफ नजर आ रही है। पाकिस्तान एलओसी से लगातार आम नागरिकों को निशाना बनाकर फायरिंग कर रहा है। गुरुवार को उसने 14वें दिन सीजफायर का उल्लंघन किया है। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर हुई गोलीबारी में 13 नागरिकों की मौत हो गई और कुल 59 लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने बताया कि कुल घायलों में से 44 पुंछ के हैं।

सैन्य अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी सेना नियंत्रण रेखा के पास कई सेक्टरों में भारी गोलीबारी कर रही है, जिसका भारतीय सेना मजबूती से जवाब दे रही है। उन्होंने कहा कि 7 और 8 मई की मध्य रात्रि में पाकिस्तान सेना की चौकियों ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, उरी और अखनूर क्षेत्र में नियंत्रण रेखा के पार छोटे हथियारों और तोपों से फायरिंग की।

दरअसल, भारतीय सेना ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जवाबी कार्रवाई में ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर हमला किया। वहीं, कई दिनों से पाकिस्तान लगातार सीजफायर का उल्लंघन कर रहा था। भारत की कार्रवाई के बाद से पाकिस्तान ने एलओसी पर हमला तेज कर दिया है।

बढ़ते तनाव को देखते हुए, स्थानीय लोगों को बंकरों में शरण लेना पड़ी। गोलीबारी की वजह से सीमावर्ती निवासियों में दहशत का माहौल है। अधिकारियों ने आदेश दिया है कि जम्मू क्षेत्र के पांच सीमावर्ती जिलों में सभी शैक्षिणक संस्थान बंद रहेंगे।

गौरतलब है कि 6 से 7 मई की दरमियानी रात को 1:05 बजे से लेकर 1:30 बजे तक सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। 25 मिनट के इस ऑपरेशन में 24 मिसाइलों के जरिए नौ आतंकी शिविरों को ध्वस्त कर दिया गया। इन नौ ठिकानों में से पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में थे, वहीं, चार पाकिस्तान में थे। इन ठिकानों में आतंकियों को भर्ती किया जाता था। उन्हें प्रशिक्षित किया जाता था।

- **कुपवाड़ा, बारामूला, उरी और अखनूर में स्थानीय लोगों को बंकरों में शरण लेनी पड़ रही है। गोलीबारी के कारण दहशत का माहौल है।**
- **भारतीय सेना एलओसी के पार से हो रही गोलीबारी का मजबूती से प्रभावी जवाब दे रही है।**

भारत पाक "युद्ध" ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नौसेना ने कराची और उसके बंदरगाह को तबाह कर दिया है। यहां तक कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख के पकड़े जाने की भी अफवाह फैलाई गई। इस दौरान, तथाकथित "गोदी मीडिया", जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा में कोई कसर नहीं छोड़ता, ने ऐसा माहौल बना दिया, मानो भारत ने पाकिस्तान को पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया हो, उसके नेता भाग गए हों और पाकिस्तान में जनता के लिए कोई आशा न बची हो। लेकिन सुबह होते-होते स्थिति सामान्य हो गई। लेकिन, सरकार ने न तो इन चैनलों को कोई चेतावनी दी, और न ही इस प्रकार के झूठ फैलाने से रोका। इसके विपरीत, वो यूट्यूब चैनल, जो सरकार की लाइन से अलग जाकर सवाल उठाते हैं, प्रतिबंधित कर दिए गए। इनमें 'द वायर' भी शामिल था, जिसे, हालांकि, देर रात बहाल कर दिया गया। एक वरिष्ठ पत्रकार की टिप्पणी विशेष रूप से ध्यान देने योग्य है कि नरेन्द्र मोदी गोदी मीडिया के टीवी स्क्रीन से गायब हैं, और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सभी फैसले और बैठकें ले रहे हैं। लग रहा है कि भारत और पाकिस्तान लंबे समय तक एक सैन्य गतिरोध में उलझे रह सकते हैं। यह देखना बाकी है कि यह कब तक चलेगा।

श्रीनगर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ड्रोन गतिविधि उस दिन के ठीक एक दिन बाद हुई है, जब भारत ने पाकिस्तानी सेना द्वारा सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने वाले ड्रोन और मिसाइलों से किए गए हमले को सफलतापूर्वक विफल कर दिया था। नए अलर्ट आगे के उकसावों और बढ़ ी हुई सतर्कता की आवश्यकता के बारे में चल रही चिंताओं को दर्शाते हैं।

पेपर लीक आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

जयपुर, 9 मई। सत्र न्यायालय, महानगर प्रथम ने जेल प्रहरी भर्ती-2018 के परीक्षा के पेपर लीक के आरोपी देवव्रत सांगवान की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। पीठासीन अधिकारी नंदिनी व्यास ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी को लंबे समय से अनुसंधान के लिए बुलाया जा रहा था, लेकिन वह उपस्थित नहीं हुआ। उसकी तलाश के लिए कई जगहों पर दबिश दी गई। इससे केस के अनुसंधान में देरी हुई है। यह मामला सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम व अन्य गंभीर अपराधों से जुड़ा हुआ संगठित अपराध है। आरोपी को जमानत देने से समाज व परीक्षार्थियों का मनोबल भी कम होता है। इसलिए आरोपी को जमानत नहीं दे सकते।

आरोपी की ओर से जमानत अर्जी में कहा गया कि उसे प्रकरण में झूठा फंसाया है। वह प्रतिष्ठित व्यक्ति है और 24 मार्च से अभिरक्षा में है। उसके भागने का अंदेशा नहीं है, और न वह गवाहों को प्रभावित करेगा। इसके अलावा, प्रकरण में कई अन्य आरोपियों की जमानत हो चुकी है, इसलिए उसे जमानत दी जाए। इसके विरोध में लोक अभियोजक लियाकत खान ने कहा कि प्रकरण में अभी अनुसंधान बाकी है। आरोपी ने अन्य सह आरोपी करन व जगजीत सिंह, टीसीएस कंपनी के प्रोजेक्ट कंटेंट मैनेजर से मिलकर पेपर की उत्तर कुंजी नकल गैंग को मुहैया कराई। वहीं, उस पर परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र व उत्तर कुंजी को अभ्यर्थियों को पढ़वाकर उनका चयन कराने का गंभीर आरोप है।

पाकिस्तान के 400 ड्रोन के हमले का भारत ने करारा जवाब दिया

धार्मिक स्थलों को निशाना बनाकर साम्प्रदायिक विवाद भड़काना चाहती है, पाकिस्तानी सेना

नयी दिल्ली, 09 मई। भारत ने आज कहा कि पाकिस्तान की ओर से भड़काऊ कार्रवाई बंद नहीं हो रही है और वह नीचता की हदें पार करते हुए सीमापार धार्मिक स्थलों को निशाना बना कर सांप्रदायिक विवाद भड़काना चाहता है, जिसका भारतीय सशस्त्र बल करारा जवाब दे रहे हैं। भारत ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने जानबूझ कर सीमा के समीप के वायुक्षेत्र को नागरिक उड़ानों के लिए खोला हुआ है, ताकि उसे ढ ाल के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी, सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने शुक्रवार शाम यहां एक संवाददाता सम्मेलन में पहलगाम हमले के बाद सशस्त्र सेनाओं द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने गुरूवार शाम को एक बार फिर भड़काने वाली नापाक हरकत करते हुए भारतीय सीमाओं का उल्लंघन किया तथा तुर्किए के करीब 300 से 400 ड्रोन्स से भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने तथा 36 जगहों पर घुसपैठ कराने की असफल कोशिश की, जिसका भारतीय सशस्त्र बलों ने करारा जवाब दिया और पाकिस्तान के चार वायु रक्षा ठिकानों पर जोरदार कार्रवाई की।

मिसरी ने कहा कि पाकिस्तान ने हमले के दौरान जानबूझ कर नागरिक हवाई क्षेत्र को बंद नहीं किया और नागरिक विमानों का ढ ाल के रूप में इस्तेमाल किया। साथ ही, भारत ने ननकाना साहिब गुरूद्वारे पर हमले के पाकिस्तान के आरोप को भ्रामक बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि इस तरह के भ्रामक दुष्प्रचार से पाकिस्तान भारत में सांप्रदायिक विवाद पैदा करना चाहता है। विदेश सचिव ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा कल रात की गई ये भड़काऊ और आक्रामक कार्रवाइयां भारतीय शहरों और नागरिक बुनियादी ढ ांचे के अलावा सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर की गईं। भारतीय सशस्त्र बलों ने आनुपातिक, पर्याप्त और जिम्मेदारी से जवाब दिया। पाकिस्तान द्वारा किए गए इन हमलों का पाकिस्तानी सरकारी मशीनरी द्वारा आधिकारिक और स्पष्ट रूप से हास्यास्पद खंडन करना, उनकी कपटपूर्णता और नीचता का एक और उदाहरण है, जिसे वे गर्व से बता रहे हैं।

- **भारत के विदेश सचिव ने कहा कि नागरिक हवाई क्षेत्र बंद नहीं करके पाकिस्तान नागरिक विमानों का उपयोग ढाल के रूप में कर रहा है।**

पोकरण पर दो बार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

श्रीगंगानगर में रेड अलर्ट जारी किया गया है। हाई अलर्ट के बीच बॉर्डर वाले जिलों जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर, फलोदी के साथ ही जोधपुर में भी ब्लैकआउट कर दिया गया है। जैसलमेर में ब्लैकआउट के दौरान घरों के बाहर लगे मीटर की लाइट नहीं दिखे, इसलिए उन्हें टेप और कपड़ों से ढ का गया है।

पोकरण में हुए ड्रोन अटैक के बाद जैसलमेर जिले में पूरी तरह से ब्लैकआउट है। एयरफोर्स की ओर से सायरन बजाकर सभी को अलर्ट किया गया है। जोधपुर में पहले रात 12 बजे से ब्लैकआउट का समय तय किया गया था। लेकिन, पोकरण में हुए ड्रोन अटैक के बाद तुरंत प्रभाव से पूरे शहर की लाइट बंद कर दी गई। जैसलमेर के पोकरण में ड्रोन अटैक के बाद तेज आवाज में सायरन बजना शुरू हो गया। सभी जगह ब्लैकआउट कर दिया गया है। पोकरण में ड्रोन अटैक के बाद श्रीगंगानगर जिले में रेड अलर्ट जारी किया गया है। जिलेभर में पूरा ब्लैकआउट किया है। पोकरण से आगे हाईवे पर किसी भी वाहन की लाइट जलाने की मनाही है। बस और दूसरे वाहन बिना लाइट के रोड पर चल रहे हैं।

सेना मूवमैंट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। भारतीय सेना की मूवमैंट से संबंधित किसी भी प्रकार की फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी करना तथा उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित करना विधि विरुद्ध है। ऐसे कृत्य पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

आप अब टैरिटोरियल "आर्मी" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रभावी ढंग से सामना किया और उन्हें विफल किया। इन हमलों से भारत के सैन्य व सिविलियन ठिकानों के लिए खतरा पैदा हुआ।

रक्षामंत्री द्वारा बुलाई गई मीटिंग में चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ जनरल अनिल चौहान, आर्मी चीफ जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, नेवी चीफ एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, इंडियन एयर फोर्स चीफ मार्शल ए.पी. सिंह तथा रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह उपस्थित थे।

भारतीय सेना ने शुक्रवार की सुबह कहा कि 8-9 मई की रात को पाकिस्तानी सशस्त्र बलों ने भारतीय क्षेत्र पर कई हमले किये, जिन्हें "प्रभावी तरीके से नाकाम कर दिया गया तथा (उनका) माकूल जवाब दिया गया।"

पाकिस्तान ने 8 और 9 मई की दरमियानी रात को ड्रोन और अन्य घातक हथियारों को काम में लेते हुये भारत की पूरी पश्चिमी सीमा पर अनेक हमले किये। पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर अनेक बार युद्ध-विराम का उल्लंघन भी किया।

भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "एक्स" पर कहा, "हम देश की सम्प्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिये प्रतिबद्ध हैं। हर नापाक इरादे का पूरी ताकत से जवाब दिया जायेगा।"

पाकिस्तान ने गुरुवार रात को भारत के साथ सैन्य मुठभेड़ में और वृद्धि कर दी, जो साफतौर पर संघर्ष को और बड़ा करने की पहल है। शुक्रवार सुबह तड़के तक पाकिस्तानी हमले चलते रहे।

पाकिस्तान ने उत्तरी एवं पश्चिमी भारत के अनेक स्थानों पर हमले करने की कोशिश की, जिन्हें विफल कर दिया गया। भारत ने जवाबी कार्यवाही की है, जिसके विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है।

'पाकिस्तान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाकिस्तान की आर्थिक वृद्धि (फिस्कल कन्सॉलिडेशन) को प्रभावित करेगा, सरकार के राजकोषीय सुधार प्रयासों को नुकसान पहुंचाएगा और विदेशी वित्तीय सहायता तक पाकिस्तान की पहुंच को बाधित करेगा।"

जहाँ तक भारत का सवाल है, एजेंसी ने कहा कि रक्षा खर्च में वृद्धि से भारत की राजकोषीय मजबूती पर असर पड़ सकता है और राजकोषीय संतुलन की प्रक्रिया धीमी हो सकती है, हालांकि समग्र रूप से भारत की स्थिति सार्वजनिक निवेश और निजी उपभोग की मजबूती के कारण स्थिर बनी रहेगी।

पाकिस्तान के आक्रमण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सशस्त्र ड्रोन को बठिंडा सैन्य स्टेशन को निशाना बनाने के लिए भेजा गया था, लेकिन यह प्रयास विफल कर दिया गया। भारतीय सशस्त्र बलों ने कहा, "हमारी सेना ने काइनैटिक और नॉन काइनैटिक साधनों से कई पाकिस्तानी ड्रोन्स को मार गिराया।"

भारतीय सेना व विदेश मंत्रालय की संयुक्त प्रेस वार्ता में जानकारी दी गई कि पाकिस्तान के हमले के जवाब में, भारत ने पाकिस्तान के चार वायु रक्षा ठिकानों पर सशस्त्र ड्रोन तैनात किए। एक ड्रोन ने एक एयर डिफैंस रडार सिस्टम को पूरी तरह नष्ट कर दिया।

बाद में, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि पाकिस्तानी पक्ष ने धार्मिक स्थलों को भी निशाना बनाया, जो कि पाकिस्तान के लिए भी एक नया निम्न स्तर है। मिसरी ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने बिलकुल उचित और अनुपातिक जवाब दिया है, जो पाकिस्तान की हरकतों के खिलाफ आवश्यक था।

'वॉशिंगटन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाकिस्तान के बीच परमाणु संघर्ष को रोकना सुनिश्चित नहीं कर सकता। तेजी से बढ़ते तनाव, अमेरिकी प्रभाव की कमी, चीन की बढ़ती भूमिका, और क्षेत्रीय अविश्वास - इन सभी कारणों से अमेरिका की संकट नियंत्रक की भूमिका सीमित हो जाती है। आज के अस्थिर दक्षिण एशिया के लिये, अमेरिका एक महत्वपूर्ण आवाज़ तो हो सकता है, लेकिन युद्ध को रोकने के लिए निर्णायक शक्ति नहीं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908